PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Bhaskar, Faridabad
Friday 24th January 2014, Page: 3
Width: 18.46 cms, Height: 17.31 cms, a4r, Ref: pmin.2014-01-24.53.33

सकारात्मक ▸ डीसीजीआई से मंजूरी समेत कई मामलों में अच्छी रही तिमाही

प्रमुख उत्पादों के दम पर बढ़ा बायोकॉन का शुद्ध मुनाफा

प्रेट्र ▸ नई दिल्ली...

बेंगलुरू आधारित बड़ी जैव प्रौद्योगिकी कंपनी बायोकॉन लिमिटेड ने गुरुवार को कहा कि चालू वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में कंपनी का लाभ 14 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी के साथ 105 करोड़ रुपये रहा। कंपनी की ओर से जारी किए गए नतीजों के अनुसार, 31 दिसंबर, 2013 को समाप्त तिमाही के दौरान कंपनी को 104.99 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। पिछले वित वर्ष की समान तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 91.76 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी के लाभ में 14.41 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई।

आलोच्य तिमाही के दौरान कंपनी की शुद्ध बिक्री 701.16 करोड़ रुपये रही। एक साल पहले समान तिमाही के दौरान कंपनी की शुद्ध बिक्री 634.22 करोड़ रुपये रही थी।तिमाही नतीजों पर टिप्पणी देते हुए बायोकॉन की चेयरपर्सन और प्रबंध निदेशक किरण मजूमदार शॉ ने कहा, 'चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही हमारे लिए कई उपलब्धियों की वाहक रही। इस दौरान हमने शोध के क्षेत्र में कई मील के पत्थर स्थापित किए। कंपनी को इस दौरान ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (नियामक) से स्तन कैंसर के इलाज के लिए बायो-सिमिलर औषधि (ट्रस्टुजमाब कैनमैब) को कम कीमत पर घरेलू बाजार में वाणिज्यिक रूप से लांच करने की अनुमति मिली।'

आलोच्य तिमाही के दौरान कंपनी के प्रदर्शन में कंपनी के फ्लैगशिप दवा ब्रांड बासालोग, इंसुपेन, बायोमैब, ईजीएफआर और अब्रेक्सेन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शॉ ने कहा कि हमने अपनी शोध और विकास परियोजनाओं को भी मजबूत किया, जिसके तहत दो नए साझीदार हमें नवीन प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा, 'बायोफार्मास्युटिकल्स सेगमेंट का प्रदर्शन नियमित बना रहा है क्योंकि हमने अपने प्रोडक्ट बास्केट को आशावादी बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास जारी रखा। हमें रिसर्च सर्विस में निरंतर मोमेंटम देखने को मिला। और हमारे वर्टिकल ब्रांडेड फॉर्मूलेशन में वृद्धि लौटी।'

कंपनी का कहना है कि उसने यूएस में अपने ओरल इंसुलिन (आईएन 105) योजना का ग्लोबल ट्रायल भी शुरू कर दिया है। कंपनी ने इस तिमाही के दौरान ऑफ्थेल्मिक कंडीशन समेत दवाओं की नई रेंज के लिए क्वार्क फार्मास्युटिकल्स के साथ रणनीतिक गठजोड़ भी किया है। कंपनी को भरोसा है कि ग्रोथ में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। तीसरी तिमाही में रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर कम खर्च संतुलन के कारण कंपनी के मुनाफे में बढ़ोतरी देखने को मिली है। हालांकि आने वाली तिमाहियों में कंपनी की आरएंडडी पर खर्च धीरे-धीरे बढ़ाया जा सकता है। हालांकि फिलहाल आरएंडडी के लिए वातावरण अच्छा नहीं है लेकिन आगे आरएंडडी खर्च बढ़ने से मार्जिन पर दबाव नहीं आएगा। कंपनी की मलेशिया यूनिट का काम ठीक गति से चल रहा है और ये वित्त वर्ष 2015 में शुरू हो जाएगी। शॉ ने कहा कि हम सभी बिजनेस वर्टिकल्स में चालू वित्त वर्ष के दौरान मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।

परिणाम